फ़्रांसीसी क्रांति

परिचय

फ़्रांसीसी क्रांति **1789** में शुरू हुई और विश्व इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक मानी जाती है। इसने फ्रांस में राजशाही की निरंकुश व्यवस्था को समाप्त किया तथा **स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व** के सिद्धांतों को स्थापित किया। इस क्रांति ने दुनिया भर में लोगों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी।

क्रांति से पहले का फ्रांसीसी समाज

तीन वर्ग (Three Estates)

फ्रांस का समाज तीन वर्गों में विभाजित था—

- **प्रथम वर्ग:** पादरी (Clergy)
- **द्वितीय वर्ग:** कुलीन वर्ग (Nobility)
- **तृतीय वर्ग:** किसान, मजदूर, व्यापारी तथा सामान्य नागरिक।

प्रथम और द्वितीय वर्ग को विशेष सुविधाएँ प्राप्त थीं तथा वे बहुत कम कर देते थे। तृतीय वर्ग पर सबसे अधिक करों का बोझ था।

फ़्रांसीसी क्रांति के कारण

मुख्य कारण

क्रांति के प्रमुख कारण थे—

- तृतीय वर्ग पर अत्यधिक कर।
- समाज में असमानता।
- फ्रांस की आर्थिक स्थिति का खराब होना।
- खराब फसलें और बढ़ती महँगाई।
- **जॉन लॉक, रूसो तथा मोंतेस्क्यू** जैसे दार्शनिकों के स्वतंत्रता और समानता के विचार।

क्रांति की शुरुआत

बास्तील का पतन

14 जुलाई 1789 को पेरिस की जनता ने **बास्तील किले** पर हमला किया। यह किला राजा की निरंकुश सत्ता का प्रतीक माना जाता था। इसी घटना को फ़्रांसीसी क्रांति की शुरुआत माना जाता है।

मनुष्य और नागरिकों के अधिकारों की घोषणा

मुख्य अधिकार

1789 में राष्ट्रीय सभा ने **मनुष्य और नागरिकों के अधिकारों की घोषणा** को स्वीकार किया।

इसमें कहा गया कि—

- सभी मनुष्य जन्म से स्वतंत्र और समान हैं।
- सभी नागरिक कानून की दृष्टि में समान हैं।
- प्रत्येक व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है।
- सरकार जनता के हित में कार्य करेगी।

आतंक का शासन

रोबेस्पियर का शासन

1793 से 1794 तक **मैक्सिमिलियन रोबेस्पियर** के नेतृत्व में आतंक का शासन चला।

इस दौरान—

- हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया।
- गिलोटिन द्वारा मृत्युदंड दिया गया।
- क्रांति के विरोधियों पर कठोर कार्रवाई की गई।

नेपोलियन बोनापार्ट का उदय

क्रांति का अंत

1799 में **नेपोलियन बोनापार्ट** फ्रांस का शासक बना। उसने **नेपोलियन संहिता (Napoleonic Code)** लागू की, जिसमें कानून के समक्ष समानता और निजी संपत्ति की सुरक्षा जैसे सिद्धांत शामिल थे।

फ़्रांसीसी क्रांति का प्रभाव

महत्त्व

फ़्रांसीसी क्रांति ने—

- सामंती व्यवस्था को समाप्त किया।
- स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचारों को बढ़ावा दिया।
- लोकतंत्र और मानवाधिकारों को मजबूत किया।
- अनेक देशों के स्वतंत्रता आंदोलनों को प्रेरित किया।
- राजशाही के विरुद्ध जनशक्ति की महत्ता सिद्ध की।

मुख्य बिंदु

- फ़्रांसीसी क्रांति **1789** में शुरू हुई।
- समाज तीन वर्गों में विभाजित था।
- तृतीय वर्ग पर सबसे अधिक कर लगाया जाता था।
- **14 जुलाई 1789** को बास्तील पर हमला किया गया।
- क्रांति का मुख्य नारा था **स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व**।
- **1799** में नेपोलियन बोनापार्ट सत्ता में आया।

अध्याय सारांश

फ़्रांसीसी क्रांति ने फ्रांस की राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया। इसने राजशाही और सामंती व्यवस्था को समाप्त कर लोकतंत्र, समानता और मानवाधिकारों की नींव रखी। इसके आदर्श आज भी विश्व के अनेक लोकतांत्रिक देशों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।